भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4755

28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आईएमपीसीएल में विनिवेश

4755. श्री राहुल गांधी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार अल्मोड़ा, उत्तराखंड में इंडियन मेडिसिंस फार्मास्यूटिकल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल), जो देश में आयुर्वेदिक और यूनानी दवाओं के विनिर्माण में शामिल एकमात्र केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) है, में अपनी हिस्सेदारी का विनिवेश करने का विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक प्राप्त अभिरुचि-पत्रों के ब्यौरे सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आईएमपीसीएल एक लाभार्जक केन्द्रीय सरकारी उद्यम है और यदि हां, तो विगत पांच वर्षों का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) वर्तमान में इसके संयंत्र में कार्यरत स्थायी और संविदा दोनों प्रकार के कर्मचारियों की कुल संख्या कितनी है; और

(ङ) क्या प्रस्तावित विनिवेश से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना और केन्द्र/राज्य सरकार के संस्थानों को आयुर्वेदिक और यूनानी दवाओं की आपूर्ति प्रभावित होगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): नीति आयोग की सिफारिश के अनुसार, आयुष मंत्रालय के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) इंडियन मेडिसिंस फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) के नीतिगत विनिवेश को आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) द्वारा दिनांक 01.11.2017 को मंजूरी दी गई थी। आईएमपीसीएल के विनिवेश के लिए प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआईएम)/अभिरुचि-पत्र (ईओआई) दिनांक 31.08.2023 को जारी किया गया था और इसके प्रत्युत्तर में डीआईपीएएम को कई अभिरुचि-पत्र प्राप्त हुए हैं। अब यह कार्य नीतिगत विनिवेश प्रक्रिया के दूसरे चरण में है।

(ग) ओर (घ): जी हां, आईएमपीसीएल एक लाभ अर्जन करने वाला केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है। पिछले पांच वर्षों के लाभ का विवरण नीचे दिया गया है;

वित्तीय वर्ष	**निवल लाभ (लाख रूपये में)**	**18.03.2025 तक कर्मचारियों की संख्या**
2023-24	1281	नियमित– 74 + 1 (प्रशिक्षु)
2022-23	2081	संविदागत - 11
2021-22	3376	
2020-21	1105	
2019-20	45	

(ङ): मौजूदा कानूनों के अधीन, नीतिगत क्रेता से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सीपीएसई का अधिग्रहण करने के बाद एक उन्नतिशील व्यवसाय के रूप में आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियों के विनिर्माण और आपूर्ति को जारी रखेगा।

*****